Transfer of J Es Electrical

606. SHRI O. P. KOHLI: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 3374 given in the Rajya Sabha on 19th August, 1994 and state:

(a) whether all the sixty J. Es (Elect.) have since moved on transfers;

(b) if not, the reasons therefor and the time by when they will move without fail;

(c) the number of J.Es. (Elert.) who have been in Delhi and in the same assignment for more than 10 years;

(d) the reasons for not transferring them out of Delhi and out of the same assignments; and

(e) the time by when all J Es. (Elect.) who have completed more than 10 years Delhi will move out of Delhi; if not, reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI P. K. THUNGON): (a) and (b) 24 Junior Engineers have already moved and others will be relieved in stages. Due to pressure of work at site, concerned Divisions have not been able to relieve thm. Exact time limit upto which they will move cannot be specified as it depends on many factors.

(c) to (e) Number of J.Es. in Delhi for more than 10 years is 156, but none of them is in the same assignment for more than 10 years The number of posts of Junior Engineers (Electrical) outside Delhi being very much less than the posts in Delhi, they can be transferred to outstations by rotation in their turn as per exigency of work. Exact time limit cannot be specified in this respect.

पंजाब में समारकों का संरक्षण

607. **श्री इकबाल सिंह** : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पंजाब राज्य में केन्द्र सरकार द्वारा संरक्षित स्मारकों के नाम क्या है ;

(ख) वर्ष 1992 से 1994 की अवधि के दौरान इन स्मारकों के रख-रखाव पर कितनी धनराशि खर्च की गई है ;

(ग) क्या यह सच है कि कुल स्मारक बहुत खराब दशा में हैं ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) इस संबंध मे केन्द्र सरकार द्वारा कौन से प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० के० थुंगन) : (क) पंजाब में केन्द्र संरक्षित स्मारकों की सूची विवरण के रूप में संलग्न है **(नीचे देखिए)** में

(ख) पंजाब में केन्द्र संरक्षित स्मारकों पर वर्ष 1992–93 व 1993–94 के दौरान किया गया व्यय तथा वर्ष 1994–95 के लिये आबंटन इस प्रकार है :

1992–93	12,16,026.00 रू.
1993–94	17,93,863.00 रू.
1994–95 (आबंटन)	12,67,973.00 रू.

(ग) भारतीय पुरातत्व सर्वे जो स्मारकों के रख-रखाव के लिए जिम्मेवार है, ने बताया है कि पंजाब में केन्द्र संरक्षित कोई भी स्मारक खराब स्थिति में नही है।

(घ) उपर्युक्त भाग (ग) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) पंजाब में पुरावशेषों तथा स्मारकों का रख रखाव भारतीय पुरातत्व सर्वे द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार किया जा रहा है ।

विवरण

पंजाब राज्य में केन्द्र संरक्षित स्मारकों की सूची

क्र०सं०	जिला	स्थान	स्मारकों के नाम
1.	अमृतसर	अनन्तखान	पुरानी दिल्ली और लाहौर रोड पर पुरानी सराय अकबर अथवा जहांगीर का दरवाजा
		पत्तेहावाद	पुरानी दिल्ली और लाहौर रोड रामबाग गेट पर पुरानी सराय अकबर अथवा जहांगीर का दरवाजा
2.	भटिंडा	भटिन्डा	किला
3.	गुरदासपुर	बटाला	सामान्यत: अनारकली के नाम से विख्यात बारादरी
			शमशेर खान गुम्बद
		कलानौर	तखी-ए-अकबर
4.	जालंधर	दक्षिणी नकोदर	दिल्ली से लाहौर मुगल ब्रिज मुगल कोस
		नूरमहल दक्षिणी	मीनार पर पुराने बादशाही राजमार्ग पर सात कोस मीनार जो दरवाजे सहित दक्षिणी सराय के पूर्वोत्तर से तीन मील है
		नगर	तेह घाटी (टीला)
		नकोदर	मोहम्मद मोमीन तथा हाजी जमाल के गुम्बद
		नूरमहल	गेटवे सहित सराय
		गांव कटपालान	प्राचीन टीला
5.	लुधियाना	घुंघराली राजमुतान	कोस मीनार
		लासिरी खान	—वही—
		लुधियाना	—वही—
			लुधियान के पूर्व में लगभग 3 मील कोस मीनार
		सुनेट	प्राचीन स्थल
		सुन्नाहावाल	कोस मीनार
6.	रोपड़	रूपड़	कालेज कंपाउंड के समीप टीला
7.	फिरोजपुर	अबोहर	मिटटी का किला नाम से विख्यात टीला
		फिरोजपुर	सरायगढ़ी स्मारक